



Neutral Citation No. - 2026:AHC:27952-DB

उच्च न्यायालय इलाहाबाद

आपराधिक प्रकीर्ण रिट याचिका संख्या - 29825 वर्ष 2025

विनोद

.....याचिकाकर्ता(गण)

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य और 3 अन्य

.....प्रत्यर्थी(गण)

याचिकाकर्ता(गण) के अधिवक्ता : प्रदीप कुमार यादव

प्रत्यर्थी(गण) के अधिवक्ता : जी.ए.

न्यायालय संख्या - 45

माननीय न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता

माननीय न्यायमूर्ति अचल सचदेव

1. याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता, राज्य की ओर से विद्वान एजीए को सुना गया और अभिलेख का परिशीलन किया गया।
2. शुरुआत में ही, विद्वान एजीए ने अवगत कराया कि वर्तमान मामले में विवेचना पहले ही पूरी हो चुकी है और याचिकाकर्ता के विरुद्ध आरोप पत्र प्रस्तुत किया जा चुका है।
3. इसके विपरीत, याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता उपरोक्त तथ्य का खंडन नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने कहा कि वे इस याचिका पर जोर नहीं देना चाहते हैं और इसे वापस लेना चाहते हैं।
4. उपरोक्त बयान के आलोक में, यह रिट याचिका वापस लेने के आधार पर खारिज की जाती है।

(माननीय न्यायमूर्ति अचल सचदेव) (माननीय न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता)

9 फरवरी, 2026

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"